उच्चतर माध्यमिक शिक्षा बोर्ड
परीक्षा – मार्च, 2015–2016
अंक योजना हिन्दी 'केन्द्रिक'
कक्षा – XII

कूटबंध – 2/1
2/2
2/3

<table>
<tr><th rowspan="2">प्रश्न सं.</th><th colspan="3">प्रश्न पत्र गुच्छ सं.</th><th rowspan="2">उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु</th><th rowspan="2">निर्धारित अंक विभाजन</th></tr>
<tr><th>2/1/</th><th>2/2/</th><th>2/3/</th></tr>
<tr><td></td><td></td><td></td><td></td><td><u>खंड – 'क'</u></td><td></td></tr>
<tr><td>1.</td><td>1.</td><td>2.</td><td>1.</td><td>अपठित गद्यांश के प्रश्नों के उत्तर–</td><td>15 अंक</td></tr>
<tr><td></td><td>क</td><td>क</td><td>क</td><td>• संवाद का महत्व।
• संवाद की अनन्त संभावना।
• संवाद – सफलता का मूल मंत्र।
• संवाद कौशल।
(अन्य उपयुक्त शीर्षक भी स्वीकारें।)</td><td>1</td></tr>
<tr><td></td><td>ख</td><td>ख</td><td>ख</td><td>• परस्पर बोलचाल न होना/वार्तालाप का अभाव।
• मौन भागीदार संवाद में चुपचाप शामिल होता है, संवाद को चुप रह कर सुनता है लेकिन संवादहीनता में संवाद स्थापित ही नहीं हो पाता।</td><td>1+1=2</td></tr>
<tr><td></td><td>ग</td><td>ग</td><td>ग</td><td>• संवाद की आत्मा – संवाद का मूल मंत्र या उद्देश्य।
• बात को धैर्य पूर्वक सुने बिना, समझे बिना बोलने की उतावली/शीघ्रता</td><td></td></tr>
</table>

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1/	2/2/	2/3/		
				संवाद की गंभीरता को नष्ट कर देती है।	1+1=2
	घ	घ	घ	• अच्छे श्रोता के रूप में। • वक्ता का मन हल्का होता है। • आत्मीयता प्रकट होती है। (कोई दो बिंदु अपेक्षित।)	1+1=2
	ङ	ङ	ङ	• धैर्यवान होना। • मन से जुड़ना। • दूसरों के अनुभवों का लाभ मिलना। • आत्मीयता। (कोई दो बिंदु अपेक्षित।)	1+1=2
	च	च	च	• अधीरता। • बीच में बात काटना। • समाधान सुझाने का उतावलापन। • सजगता का अभाव। (कोई दो बिंदु अपेक्षित।)	1+1=2
	छ	छ	छ	• दुख–दर्द को सार्वजनिक करने का लाभ नहीं होता। • दूसरे की समस्या सुन कर लोग हँसते हैं। • दूसरे की परेशानी सुन कर मजाक बनाते हैं, उसे कम नहीं करते।	

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1/	2/2/	2/3/		
				(कोई दो बिंदु अपेक्षित।)	1+1=2
	ज	ज	ज	• संवाद की अनन्त संभावनाओं को समझाने के लिए। • प्रकृति एवं पशु–पक्षियों से भी संवाद संभव।	2
2.	2.	1.	2.	**अपठित काव्यांश के प्रश्नों के उत्तर–**	1x5=5
	क	क	क	• झील। • जल के अभाव में।	½+½=1
	ख	ख	ख	• जल से भरी। • हरे–भरे, पेड़–पौधों वाले घाटों वाली। • पक्षियों के कलरव से गुंजित। • स्त्री पुरुषों के आवागमन से गुलजार। (कोई दो बिंदु अपेक्षित।)	½+½=1
	ग	ग	ग	• पानी के अभाव में सूखे पेड़–पौधों के कारण। • हरे–भरे पेड़–पौधे न दिख पाने का।	½+½=1
	घ	घ	घ	• शहरी–नागरिक व्यापारी। • मिट्‌टी आदि संसाधनों को बेच कर धनार्जन।	½+½=1

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1/	2/2/	2/3/		
	ङ	ङ	ङ	• जल के अभाव में जलाधारित दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति न हो पाने के कारण।	1
				खंड – 'ख'	
3.	3.	3.	3.	**किसी एक विषय पर निबंध अपेक्षित :** • प्रस्तावना / भूमिका और उपसंहार 1 • विषय–वस्तु 3 (किन्हीं तीन बिंदुओं का विवेचन) • भाषा की शुद्धता एवं प्रस्तुति 1	5
4.	4.	4.	4.	**पत्र–लेखन :** • आरंभ और अंत की औपचारिकताएँ 1 • प्रभावी विषय–वस्तु 3 • भाषा की शुद्धता, प्रवाह एवं लेख 1	5
5.	5.	6.	5.	**संक्षिप्त उत्तर –**	1x5=5
	क	क	क	• यथास्थिति का वर्णन। • लाईव टेलीकास्ट की सुविधा। • तुरन्त एवं रोचक प्रस्तुति। • सभी को सुलभता। (कोई दो बिन्दु अपेक्षित।)	½+½=1

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1/	2/2/	2/3/		
	ख	ख	ख	• संपादकीय लेखन। • समाचारों का संपादन।	½+½=1
	ग	ग	ग	• समसामयिक घटनाओं के विश्लेषण द्वारा जन–चेतना लाना।	1
	घ	घ	घ	• त्रुटि रहित शुद्ध भाषा। • सरल और स्पष्ट भाषा का प्रयोग।	½+½=1
	ङ	ङ	ङ	• अन्य तीन स्तंभों पर नज़र। • जन सामान्य को जागरूक करना।	½+½=1
6.	6.	7.	6.	किसी एक **फीचर** का लेखन– • प्रभावी विषय – वस्तु 2 • प्रस्तुति 2 • भाषा की शुद्धता 1	5
7.	7.	5.	7.	किसी एक **आलेख** का लेखन– • प्रभावी विषय – वस्तु 2 • प्रस्तुति 2 • भाषा की शुद्धता 1	5
				<u>खंड – 'ग'</u>	
8.	8.	10.	8.	**पठित काव्यांश पर आधारित प्रश्न–**	2x4=8

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1/	2/2/	2/3/		
	क	क	क	• अपने प्रिय पात्र (तुम्हें) को भूल जाना।	2
	ख	ख	ख	• दक्षिण ध्रुवी, दीर्घकालीन अंधकार। • जिस प्रकार दक्षिण ध्रुव पर उजाला नहीं होता, वैसे ही कवि के हृदय में प्रिये के भूलने पर अंधकार।	2
	ग	ग	ग	• प्रिय पात्र का प्रेम और सामीप्य। • यह अति निकटता, प्यार का संबंध निरन्तर होने से वह ऊब गया है, उससे मुक्ति चाहता है। • प्रिया से वियुक्त हो कर ही कर्म पथ पर अग्रसर होने की आकांक्षा।	2
	घ	घ	घ	• 'तुम' कवि की प्रिया/प्रेरणा पात्र है। • कविता में प्रेम पात्र से कवि की निकटता। (प्रेम आदि का उल्लेख होने से अन्य उत्तर भी संभव।) **अथवा**	2
	क	क	क	• बात का निरर्थक होना/प्रभावहीन होना। • मूल भाव एवं सौंदर्य नष्ट होना।	2
	ख	ख	ख	• अप्रासंगिक, अनुपयुक्त बात बार–बार करते रहना। • प्रशंसा और वाहवाही पाने के लिए।	2

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1/	2/2/	2/3/		
	ग	ग	ग	• बात की अभिव्यक्ति का माध्यम भाषा। • भाषा प्रस्तुति में स्पष्टता, सरलता एवं अर्थवत्ता आवश्यक।	2
	घ	घ	घ	• प्रभावहीन हो जाएगी। • अर्थहीन हो जाएगी।	2
9.	9.	8.	9.	**पठित काव्यांश पर आधारित उत्तर–**	2x3=6
	क	क	क	• छंद – सोरठा • अवधी लोक भाषा होने के कारण सुबोधता। • अलंकारिकता। (भाषा की कोई एक विशेषता)	1+1=2
	ख	ख	ख	• लक्ष्मण की मूर्च्छा। • श्री राम का करुण विलाप। • हनुमान द्वारा संजीवनी बूटी लाने में देरी होना।	1+1=2
	ग	ग	ग	• उत्प्रेक्षा अलंकार। • करुण रस में वीर रस की उपस्थिति। • सुन्दर कल्पना।	1+1=2

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1/	2/2/	2/3/		
				अथवा	
	क	क	क	• साँझ तेजस्विनी श्वेत–नारी रूप में प्रस्तुत। • कजरारे बादलों का प्रतिबिम्ब मानवीय प्रतिच्छायाओं का प्रतिबिम्ब।	1+1=2
	ख	ख	ख	• कजरारे, साँझ, हौले–हौले जैसे सरल सुबोध शब्दों का प्रयोग। • प्रवाहपूर्ण खड़ी बोली। • प्रतीकात्मकता। (कोई अन्य उपयुक्त उत्तर भी अपेक्षित।)	1+1=2
	ग	ग	ग	• आकाश में काले बादलों का छाया बिंब – दृश्य बिंब। • तैरती साँझ का सौन्दर्य – दृश्य बिंब।	1+1=2
10.	10.	9.	10.	**किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर–**	3+3=6
	क	क	क	• तुलसीदास ने अपने युग की विषमताओं, गरीबी, बेरोजगारी इत्यादि का वर्णन किया है। • किसान, भिक्षुक, नौकर–चाकर, भाट, नट चोर इत्यादि सभी जीविका विहीन। • दरिद्रता और बेरोजगारी के कारण समाज में अशांति। पेट की आग बुझाने के लिए लोग अपने बच्चों को बेचने पर मजबूर।	1+1+1=3

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1/	2/2/	2/3/		
	ख	ख	ख	• पहले 'और' में कवि स्वयं को आम व्यक्ति से भिन्न बताता है। • दूसरे 'और' द्वारा वह अपना और विश्व का संबंध प्रतिपादित करता है। • तीसरे 'और' द्वारा कवि अपने स्वभाव से शेष संसार के स्वभाव की भिन्नता प्रकट करता है।	1+1+1=3
	ग	ग	ग	• राख से लीपा हुआ गीला चौका, काली सिल पर बिखरा लाल केसर। • नीला जल, गोरी युवती की मखमली देह आदि उपमाओं द्वारा गाँव के सूर्योदय के सौंदर्य का जीवंत चित्रण।	3
11.	11.	11.	11.	**पठित गद्यांश पर आधारित उत्तर–**	2x4=8
	क	क	क	• महादेवी चाह कर भी उसे नहीं निकाल पातीं, और निकाले जाने का आदेश पा कर भी भक्तिन नहीं जाती थी। दोनों के बीच भावनात्मक संबंध।	2
	ख	ख	ख	• प्रकाश और अंधकार जीवन का अभिन्न अंग। • प्रकाश अंधकार का संबंध स्वाभाविक है इसके बिना जीवन की कल्पना नहीं। • भक्तिन और महादेवी भी एक दूसरे के बिना अपने जीवन की कल्पना नहीं कर पातीं।	1+1=2

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1/	2/2/	2/3/		
	ग	ग	ग	• भक्तिन तर्कपटु है। प्रत्येक कार्य का औचित्य ठहरा देती है। • महादेवी जी अत्यंत उदार, मानवतावादी और सहिष्णु थीं।	2
	घ	घ	घ	• प्रकाश अंधकार या गुलाब आम का सा भक्तिन का स्वतंत्र व्यक्तित्व। • उसका व्यक्तित्व अपने वास्तविक रूप में महादेवी जी के जीवन को घेरे हुए।	1+1=2
				अथवा	
	क	क	क	• सफिया द्वारा सिख बीबी से लाहौरी नमक लाने का वायदा। • लाहौर से नमक लाने या न लाने का द्वंद्व। • कस्टम अफसर द्वारा प्रेम और सम्मानपूर्वक नमक ले जाने की अनुमति। (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	1+1=2
	ख	ख	ख	• विभाजन के पश्चात भी जन्मभूमि से प्रत्येक व्यक्ति को लगाव होता है। • कस्टम अफसर चाहे पाकिस्तान में रहने लगे। नौकरी करने लगे किंतु दिल से वह आज भी अपना वतन देहली को ही मानते हैं।	1+1=2

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1/	2/2/	2/3/		
				(किन्हीं दो का विवेचन अपेक्षित)	
	ग	ग	ग	समय बीतने के साथ सब घाव या बुरी स्मृतियाँ धीरे–धीरे समाप्त हो जाती हैं – पक्ष– • हाँ, वक्त के साथ–साथ भारत–पाकिस्तान की कटु स्मृतियाँ समाप्त हो जाएगी। • व्यक्ति परिस्थितियों से समझौता करके जीवन की नई शुरुआत करता है और कभी पीछे मुड़ कर नहीं देखता। (अन्य बिंदु भी स्वीकार्य।) विपक्ष– • बेशक समय बीत जाता है लेकिन मन के घाव, चोटें, विस्थापन आदि का दर्द या किसी भी प्रकार के नुकसान की क्षति पूर्ति संभव नहीं होती। • समय के साथ–साथ कटुता, दर्द आदि भी बढ़ते जाते हैं और मौका पा कर आतंक, दंगों या किसी भी प्रकार की असामाजिक गतिविधियों के रूप में उभर जाते हैं। (पक्ष या विपक्ष में दो तर्क अपेक्षित)	1+1=2
	घ	घ	घ	• लेखिका की बात सुन कर कस्टम अधिकारी भावुक हो उठा।	

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1/	2/2/	2/3/		
				• उसके हृदय में देश प्रेम जाग उठा। • भावनाओं के समक्ष राजनीतिक निर्णय कमज़ोर पड़ जाते हैं।	2
12.	12.			**किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित–**	3x4=12
	क	–	–	• शिरीष वृक्ष को। • शिरीष तपन और लू के बीच विपरीत परिस्थितियों में भी सरस जीवंत हो कर भी फलता है। • अवधूत जिस प्रकार मस्त, फक्कड़, अनासक्त होते हैं, वैसे ही शिरीष भी अनासक्त भाव से फलता–फूलता है और सुंदरता से सबका मन मोह लेता है।	3
	ख	–	–	• परम्परा से श्रम–विभाजन के आधार पर ही जाति–विभाजन। • जाति प्रथा श्रम के साथ श्रमिक विभाजन भी करती है। • अस्वाभाविक विभाजन सभ्य समाज में ऊँच–नीच की भावना आती है।	3
	ग	–	–	• राजा साहब ने उसे सहारा दिया क्योंकि उसने चाँद नामक पहलवान को हराया और देश के सम्मान की रक्षा की। • राजा की मृत्यु के पश्चात विलायत से लौटे राजकुमार ने पहलवान लुट्टन को दरबार से निकाल दिया।	

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1/	2/2/	2/3/		
				• उसके पास जीवन यापन का कोई अन्य सहारा नहीं था।	3
	घ	–	–	• जीजी ने पानी बिखेरने की बात को लेकर कहा था – 'कुछ पाने के लिए कुछ देना पड़ता है।' किसान जब पाँच–छह सेर गेहूँ बोता है तब तीस–चालीस मन गेहूँ उगता है। • मैं इस तर्क से सहमत हूँ। प्रकृति का चक्र इसी आधार पर चलता है। मानव प्रकृति से एक हाथ लेता है और दूसरे हाथ देता है। यदि ऐसा न करे तो अव्यवस्था उत्पन्न हो जाए। • सहमत नहीं। आज के वैज्ञानिक युग में यह सब अंधविश्वास और ढकोसला है। (परीक्षार्थी के विचार सहमति/असहमति अथवा दोनों पहलुओं की समीक्षा के हो सकते हैं।)	3
	ङ	–	–	पैसे की व्यंग्य–शक्ति का तात्पर्य है– • अनावश्यक खरीदारी जिसका उद्देश्य केवल दिखावा और दंभ प्रकट करना हो। • आवश्यकता से अधिक खरीददारी • जिससे कि दिखावा किया जा सके और दूसरों को प्रभावित किया जा सके। • अपने धनवान और समर्थ होने का झूठा दिखावा।	3

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1/	2/2/	2/3/		
		12.			
	—	क	—	• जीवन में भौतिक आवश्यकताओं को सीमित रखने की। • संतुष्ट रहने की। • बाजार के आकर्षण से मुक्त/निस्पृह रहने की।	3
	—	ख	—	• जीजी का कहना था कि कुछ पाने के लिए त्याग करना पड़ता है जबकि लेखक का मानना था कि इंदर सेना पर पानी फेंकना अंधविश्वास है। • जीजी की सोच धर्म और लोक परंपराओं से अनुप्राणित जबकि लेखक आधुनिक और वैज्ञानिक। • जीजी भावुक और कोमल हृदय थी जबकि लेखक व्यावहारिक और तार्किक।	1+1+1=3
	—	ग	—	• लोक कलाएं किसी भी देश की सांस्कृतिक विरासत एवं समृद्धि की सूचक। • किसी भी राष्ट्र की विशिष्ट पहचान। • जीवन में उत्साह उमंग और खुशी के रंग भर देती है। (अन्य तर्क भी स्वीकार्य।)	1+1+1=3
	—	घ	—	• हास्य की नई दुनिया रची। चार्ली ने लोगों को अपने ऊपर हँसना सिखाया।	

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1/	2/2/	2/3/		
				• चार्ली का जीवन संघर्षमय। कभी हार नहीं मानी। • परिस्थितियों का डट कर मुकाबला किया। • चार्ली हँसमुख, सुलझे हुए, करुण हृदय और आशावादी थे। (अन्य विशेषताएँ भी स्वीकार्य।)	1+1+1=3
	—	ङ	—	• कालजयी अवधूत के समान मस्त, बेफ्रिक, अनासक्त जीवन। • विपरीत परिस्थितियों में भी हिम्मत न हारने, डट कर मुकाबला करने, और जीवन का आनंद लेने की प्रेरणा। • अपने अस्तित्व से दूसरों का जीवन सरल, सुगम और आनंदमय बनाएँ। (अन्य विचार बिंदु भी स्वीकार्य।)	3
	—	—	12. क	• कन्या जननी की उपेक्षा और तिरस्कार, पुत्रवती माता अपना अधिकार समझती है। • भक्तिन ने एक के बाद एक तीन पुत्रियों को जन्म दिया। • अतः सास और जेठानियाँ मुँह बिचका कर उसकी उपेक्षा करती हैं। (अन्य उपयुक्त तर्क भी स्वीकार्य।)	3

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1/	2/2/	2/3/		
	–	–	ख	• आदर्श समाज में स्वतंत्रता और समता होनी चाहिए। यही भ्रातृता है। • समाज में सबको सम भाग प्राप्त हो। • किसी भी वांछित परिवर्तन का लाभ सभी को तुरंत मिलना चाहिए। • सभी को सामाजिक संघर्ष के साधन और अवसर सुलभ होने चाहिए। • भ्रातृता दूध–पानी के मिश्रण जैसी होनी चाहिए। • सभी लोगों में एक दूसरे के प्रति श्रद्धा, प्रेम और सम्मान का भाव होना चाहिए। • भ्रातृता द्वारा हर 'लोकतंत्र' की अवधारणा पूर्ण होगी। • सही अर्थों में लोकतंत्र की साधना भ्रातृता के पश्चात ही संभव। (कोई तीन बिंदु अपेक्षित।)	3
	–	–	ग	• विपरीत परिस्थितियों में जो संघर्ष करता है, जीवन रस से परिपूर्ण होता है, हर स्थिति में जड़ता का, मायूसी का परित्याग करता है वही गतिशील होता है। • भौतिक मोह–माया से अनासक्त असंपृक्त रह कर जो जीवन–पथ पर अग्रसर होता हैं, वे कभी जड़ नहीं हो सकते, निरंतर प्रगतिशील ही होंगे, उर्ध्वमुखी होंगे।	

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1/	2/2/	2/3/		
				• मस्त, फक्कड़ और सरस शिरीष एवं गांधी जैसे लोग ही जड़ता का परित्याग कर गतिशील एवं जीवंत होते हैं। (अन्य बिंदु भी संभव।)	3
	–	–	घ	• एक ज़मीन, एक ज़बान, एक सी सूरतें और लिबास, एक सा अंदाज, गालियाँ भी एक सी होने के उपरांत भी भारत–पाक की जनता आरोपित भेदभावों को सहने के लिए विवश थी जबकि वास्तविकता यह थी कि मानचित्र पर बनावटी लकीर खींच देने से देश तो बँट गए किंतु भावनाएँ नहीं। • जनता पर थोपा गया विभाजन आरोपित तथा कृत्रिम है। प्यार किसी भी प्रकार का बंधन स्वीकार नहीं करता। • प्यार के सम्मुख कानून निष्प्रभावी होता है। भावनाएँ और प्यार राजीतिक निर्णयों को नकार देते हैं। (कोई तीन बिंदु अपेक्षित।)	3
	–	–	ङ	• महामारी फैल जाने पर उससे निपटने की व्यवस्था का अभाव। • लोग मरने के लिए अभिशप्त। डॉक्टर, वैद्य, दवाओं आदि की कोई सहायता	

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1/	2/2/	2/3/		
				नहीं। • ऐसे में एकमात्र सहारा पहलवान की ढोलक मरघटी सन्नाटे को तोड़ कर मरते समय भी उनमें जीवन शक्ति का संचार करती है।	3
13.	13.	13.	13.	• बालक को जन्म देना या न देना महिलाओं का अधिकार। • उनका सम्मान सैनिकों की भाँति होना चाहिए। • उनके अधिकारों का हनन नहीं होना चाहिए। • महिलाओं ने अपनी ही नादानी के कारण उपेक्षा, कष्ट एवं असम्मान को सहन किया है। • शिक्षित समाज में स्त्रियों की स्थिति पुरुषों से अच्छी है। • औरत ही मानव जाति की निरन्तरता बनाए रखती है। • नारी त्याग एवं ममता की मूर्ति है। • वह कर्मशील रह कर अपनी सन्तान के लिए सर्वस्व दाँव पर लगा देती है। (किन्हीं पाँच बिंदुओं की समीक्षा।)	5
14.	14.			**किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित–**	5+5=10

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1/	2/2/	2/3/		
	क	–	–	• सिंधु सभ्यता साधन–सम्पन्न थी। • सुनियोजित नगर। • पानी की अच्छी व्यवस्था। • सड़कें छोटी, चौड़ी लेकिन साफ–सुथरी। • ताँबे, कांसे एवं मृदा के बने कलात्मक बर्तन। • चौपड़ की गोटियाँ, ताँबे का दर्पण, कंघी, मनके का हार, सोने के गहने, सम्पन्नता सुरुचि के सूचक। • कृषि, अन्न भंडार, बैलों एवं बैलगाड़ी के अवशेष। • उनके मकान, गृहस्थी की सभी सुख–सुविधाओं से सम्पन्न स्वच्छ एंव सुरुचिपूर्ण, कलात्मक, सौंदयपूर्ण। <u>इतना सब होने के बाद भी</u> • भव्यता का, आडम्बर का, भव्य प्रासादों, मंदिरों का अभाव। • मूर्ति शिल्प हेतु और छोटे औजारों की उपलब्धता। • मकान छोटे–छोटे, कमरे भी छोटे–छोटे। • राजाओं के मुकुट भी छोटे। • नावें भी छोटी। • प्रभुता या दिखावे के उपकरण कहीं दिखाई नहीं देते।	5

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1/	2/2/	2/3/		
				अतः सभ्यता साधन–सम्पन्न, कलात्मक एवं सुरुचिपूर्ण तो थी लेकिन आडम्बरयुक्त नहीं। (कोई पाँच बिंदु अपेक्षित।)	
	ख .	क	ख	**पक्ष–** • ग्रामीण एवं नगरीय परिवेश की तुलना करते समय बहुधा वे द्वंद्वात्मक मनःस्थिति के होते हैं। • नए और पुराने के बीच संतुलन नहीं बिठा पाने का संघर्ष। • उनके संस्कार और आदर्श वर्तमान शैली से मेल नहीं खाते। **विपक्ष–** • वे सिद्धांतवादी थे। सारा जीवन उन्हीं पर चलते रहे। • आधुनिक जीवन–शैली को अपने पर हावी नहीं होने देते। • उन्होंने कभी झूठ नहीं बोला। समय के पाबंद रहें। • वे सादगी पसंद थे और जीवन भर उसका पालन भी किया। • पैसे को कभी महत्व नहीं दिया। ईमानदारी की कमाई से संतुष्ट रहे।	5

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1/	2/2/	2/3/		
				(पक्ष या विपक्ष किसी एक का तर्क सम्मत उत्तर अपेक्षित। अन्य बिंदु भी संभव।)	
	–	ख	–	• **जूझ** अर्थात संघर्ष • जीवन में प्रत्येक उपलब्धि नायक को जूझने के बाद ही मिली। • नायक का पाठशाला जाने का संघर्ष। • कक्षा में छात्रों के साथ सामंजस्य बिठाने का संघर्ष। • कविता लेखन हेतु संघर्ष। • पिता द्वारा खेतों आदि के काम में झोंक दिए जाने पर अध्ययन करने हेतु संघर्ष। (अन्य विचार बिंदु भी स्वीकार्य।)	5
	–	–	क	• सरल, सादगी पसन्द, सत्यवादी, सन्तुष्ट, ईमानदार। • कर्मठ, समय के पाबन्द, कार्यालय के अन्य साथियों से अच्छे सम्बन्ध। • परम्परावादी, पुराने जीवन–मूल्यों में विश्वास करने वाले, धार्मिक मनोवृत्ति वाले। • आधुनिक जीवन–शैली एवं परिवेश में समायोजित नहीं हो पाते। • आधुनिक चकाचौंध से अप्रभावित। (अन्य विचार बिंदु भी संभव।)	5